One Day Training Programme on "Extraction of Essential oil from Essential Oil Bearing Plants" by FRI, Dehradun on 30-12-2020

A one day training programme on extraction of essential oil from essential oil bearing plants was organized by FRI, Dehradun in collaboration with Mrs. Jyoti Marwah, a progressive farmer of Mussoorie. This training was imparted by Dr. Vineet Kumar, Scientist-G and Principal Investigator, Chemistry & Bioprospecting Division, FRI and his team along with Mrs. Jyoti Marwah. The farmers were trained on isolation of essential oil from aromatic crops. As a case study essential oil was extracted from *Cinnamomum camphora* (commonly known as Kapoor tree) using an efficient Field Distillation Unit in the farmer's field of Mrs. Jyoti Marwah. In his speech, Dr. Vineet Kumar told that this initiative is a part of the project funded by Government of India Department of Science &Technology, New Delhi with the aim of providing training to farmers so that they are motivated to grow essential oil bearing crops as it would be helpful in their income generation. Smt. Kehkashan Naseem, DFO of Mussoorie Forest Division explained the importance of such trainings and their unusual benefits to the farmers. She also elaborated in detail the importance of essential oil bearing crops. In this training the local farmers participated enthusiastically and learned the basics of essential oil extraction. In her speech Mrs. Jyoti Marwah motivated the local farmers by telling them the uses and benefits of essential oil in various sectors. She also told that some of the essential oil bearing crops can be grown in unused spaces like side bunds, side walls etc. thereby utilizing that area also. Dr. Pradeep Sharma, Sh. Ashwani Kumar, Sh. Sushil Bhattarai of Forest Research Institute and Sh. Ashutosh along with Forest Rangers of Mussoorie Forest Division were also present during this training.

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के तत्वावधान में एक प्रगतिशील किसान श्रीमती ज्योति मारवाह, दुग्गल विला, मसूरी के यहाँ सुगंधित तेल युक्त पादपों से सुगंधित तेल निकालने का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा0 विनीत कुमार, वैज्ञानिक–जी तथा परियोजना अन्वेषक एवं डॉ0 प्रदीप शर्मा, रसायन विज्ञान एवं जैव पूर्वेक्षण प्रभाग, व0अ0स0 के दल एवं श्रीमती ज्योति मारवाह द्वारा *Cinnamomum camphora* (कपूर) के पेड़ की पत्तियों तथा शाखाओं से सुगंधित तेल निकालकर उस तेल को अलग करने की विधि के बारे में बताया व सिखाया गया। तत्पश्चात मसूरी वन प्रभाग की डीएफओ कहकशा नसीम द्वारा किसानों को इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता तथा उपयोगिता के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान डा0 विनीत कुमार द्वारा यह भी बताया गया कि यह परियोजना भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित की गई है जिसका ध्येय किसानों को सुगंधित तेल वाले पौधे उगाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा इससे सुगंधित तेल निकालकर अपनी आजीविका में बढ़ोतरी करना है। इस प्रशिक्षण में किसानों ने अति उत्साह से प्रतिभाग किया एवं तेल निकालने की बारीकियों को समझने का प्रयास किया। कार्यक्रम में श्रीमति ज्योति मारवाह द्वारा अपने व्याख्यान में सभी कृषकों को सुगंधित तेल युक्त पादपों को उगाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि ऐसे कई पादप किसान अपनी कृषि भूमि के अनुपयोगी स्थानों में उगा सकते हैं जैसे कि खेत की मेढ़, सााईड वाल इत्यादि। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कई किसानों ने प्रतिभाग किया तथा कार्यक्रम में श्री अश्वनी कुमार, श्री सुशील भट्टाराई, श्री अनिल कुमार, श्री आशुतोष एवं मसूरी वन प्रभाग के वन रक्षक भी मौजूद रहे।